Farakka Barrage

1488. Shri Mohammad Elias: Will the Minister of **Irrigation and Power** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the work of Farakka Barrage is not progressing satisfactorily due to want of Engineers; and

(b) if so, what steps are being taken to improve the situation?

The Minister of State in the Ministry of Irrigation and Power (Shri Alagesan): (a) and (b). No. The work on the Project is progressing satisfactorily. Shortage of experienced Assistant Engineers only has been felt, but this is being overcome by drawing qualified and experienced officers on deputation from the Government of West Bengal and the Central Water and Power Commission.

हिसार पशु फार्म

१४८६. **श्री बुद्धदेव सिंह :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिसार पशु फार्म जो एशिया का सबसे बड़ा फार्म कहा जाता है उसके अधिक विकास के लिए केन्द्र सरकार क्या राज्य सरकार को कोई सहायता देना चाहती है ; और

(ख) यदि हां, तो सारी योजना का क्या ब्योरा है ?

खाद्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क) और (ख). जी हां । केन्द्रीय सहायता का हिस्सा अधिक से अधिक ५० लाख रुपये तक सीमित होगा ।

योजना का उद्देश्य है (१) उन ढोरों की जनन श्रेणी (guentic quality) का विकास करना, जो कि पशु-पालन स्थितियों में (ranch conditions) फार्मों में नियंत्रित प्रजनन के द्वारा आजकल रखे जाते हैं और दोनों प्रकार के पशुओं के रूप में नसल का विकास करना, तथा (२) ऐसे हरियानाँ नसल के ७५० उत्तम सांडों का वार्षिक उत्पादन, जो कि पंजाब और अन्य राज्यों में प्रजनन के लिए उपयोग किये जाते हैं ।

दिल्ली दुग्ध वितरण योजना

१४९०. **श्री बेरवा :** क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली दुग्ध वितरण योजना के अन्तर्गत दिल्ली में इस समय कितने दुग्ध वितरण केन्द्र हैं ;

(ख) इन केन्द्रों से दूध लेने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या इस समय क्या है और उनमें कार्ड वाले ग्राहक कितने हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि हाल में ऐसा कोई परिपत्र जारी किया गया है कि नए कार्ड अभी नहीं दिए जायें; और

(घ) यदि हां, तो इसका क्या कारण है ?

खाद्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री अ० म० थामस) : (क) ४४४ दूध डिपों और सारे दिन खुलने वाले ६ स्टाल ।

(ख) ऐसा कोई भी लेखा नहीं रखा जाता है कि कितने मनुष्य दुध केवल नकद खरीदते हैं और इसलिए यह ज्ञात नहीं है कि डिपो और हटालों से दूध खरीदने वाले मनुष्यों की कुल संख्या कितनी है, दूध के कार्ड वाले व्यक्तियों की संख्या ९९११९ है ।

(ग) भैंस के दूध के लिए नये कार्ड बनाना मई, १९६२ में बन्द कर दिया गया था, लेकिन टोन्ड दूध के कार्ड बनाने के लिए कोई भी ऐसा प्रतिबन्ध नहीं है ।

(घ) भैंसों के दूध की उत्पत्ति में कमी होने के कारण, उसके दूध के संभरण में कमी हो गई ।